http://www.a2zSubjects.com http://www.a2zSubjects.com

# MP BOARD CLASS 12 PAPER 2016

# हिन्दी (विशिष्ट) : कक्षा XII

**प्रश्न 1. उचित शब्दों का चयन कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए— 5 × 1 = 5**

(i) बालक कृष्ण को सबसे ज्यादा शिकायत ..... से है।
*(बलदाऊ/नंदबाबा)*

(ii) राजा सिद्धार्थ ..... से छुटकारा पाने के लिए तपस्या करने गये।
*(यशोधरा/संसार के दु:खों)*

(iii) 'उनको पुकारता हूँ' कविता के रचयिता ..... हैं। *(वीरेन्द्र मिश्र/आनंद मिश्र)*

(iv) 'ऊँट के मुँह में जीरा' मुहावरे का अर्थ ..... है।
*(आवश्यकता से कम वस्तु/आवश्यकता से अधिक वस्तु)*

(v) रोला और उल्लाला से मिलकर बनने वाला छंद ..... है।
*(छप्पय/मत्तगयंद)*

उत्तर—(i) बलदाऊ, (ii) संसार के दु:खों से, (iii) आनंद मिश्र, (iv) आवश्यकता से कम वस्तु, (v) छप्पय।

**प्रश्न 2. निम्नलिखित वाक्यों के लिये सही विकल्प का चयन कीजिए— 5 × 1 = 5**

**(i) रामकुमार वर्मा ने कुश्ती में किस पहलवान को हराया था—**
(अ) गामा, (ब) दारासिंह, (स) फुल्लम, (द) रुस्तम।

**(ii) मंदाकिनी के पानी का रंग—**
(अ) श्याम, (ब) नीला, (स) श्वेत, (द) हरा।

**(iii) विश्वास में विष घोलने का काम किया था—**
(अ) सुजान, (ब) घनानंद, (स) रत्नाकर, (द) गुमान।

**(iv) जहाँ कारण के बिना भी कार्य होता है, वहाँ अलंकार है—**
(अ) विभावना, (ब) विशेषोक्ति, (स) व्यतिरेक, (द) विरोधाभास।

**(v) 'हमें पानी दो' का शुद्ध रूप है—**
(अ) हमें पानी चाहिए, (ब) हमें पानी पीना है,
(स) मुझे पानी दो, (द) मुझे पानी पीना है।

उत्तर—(i) (स), (ii) (द), (iii) (अ), (iv) (अ), (v) (स)।

**प्रश्न 3. निम्नलिखित वाक्यों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए— 5 × 1 = 5**

(i) मनोहर और सुरबाला वापसी कहानी के पात्र हैं।
(ii) प्रताप पत्र के संपादक गणेशशंकर विद्यार्थी थे।
(iii) कवि जयशंकर प्रसाद ने बादल को पनघट कहा है।
(iv) गगन का पर्यायवाची वसुंधरा है।
(v) करुण रस का स्थायी भाव शोक है।

उत्तर—(i) असत्य, (ii) सत्य, (iii) असत्य, (iv) असत्य, (v) सत्य।

**प्रश्न 4. स्तंभ 'क' से 'ख' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए— 5 × 1 = 5**

| 'क' | 'ख' |
|---|---|
| (i) काव्य में भाव विह्वलता भरी है | (अ) महात्मा गाँधी |
| (ii) तुम घर मत जाओ | (ब) श्लेष अलंकार |
| (iii) रहिमन पानी राखिए | (स) डॉ. श्यामसुन्दर दुबे |
| (iv) गाय करुणा की कविता है | (द) मीराबाई |
| (v) तिमिर गेह में किरण—आचरण | (इ) आज्ञावाचक वाक्य |

http://www.a2zSubjects.com http://www.a2zSubjects.com

http://www.a2zSubjects.com http://www.a2zSubjects.com

(ई) निषेधवाचक वाक्य
(उ) यमक अलंकार

**उत्तर**—(i) → (द), (ii) → (इ), (iii) → (ब), (iv) → (अ), (v) → (स)।

**प्रश्न 5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए—** $5 \times 1 = 5$

(i) बघेली बोली किस क्षेत्र में बोली जाती है ?

(ii) देवकी कहाँ बंद थीं ?

(iii) मथुरा से योग सिखाने कौन आया था ?

(iv) भय कायरता या भीरुता की संज्ञा कब प्राप्त करता है ?

(v) रस के अंगों के नाम लिखिए।

**उत्तर**—(i) मध्य प्रदेश के रीवा, सतना, सीधी, बालाघाट, शहडोल इत्यादि क्षेत्रों में (ii) कंस की कारागार में (iii) उद्धव, (iv) भय जब स्वभावगत हो जाता है, तब वह कायरता य भीरुता की संज्ञा प्राप्त करता है, (v) स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव, संचारी या व्यभिचारी भाव।

**प्रश्न 6.** माँ सरस्वती की वन्दना कौन-कौन करता है ? 2

*अथवा*

नदी द्वीप को किस प्रकार आकार देती है ?

**प्रश्न 7.** 'पल्लव-वसना' किसे कहा गया है ? 2

*अथवा*

'मोसों कहत मोल को लीनो' यह कथन किसने कहा है ?

**प्रश्न 8.** घनानंद सुजान को क्या उलाहना देते हैं ? 2

*अथवा*

'पुरानी धरती' से कवि का क्या आशय है ?

**प्रश्न 9.** कबीर के अनुसार शरीर रूपी घड़े की क्या विशेषताएँ हैं ? 2

*अथवा*

बिजली की चमक देखकर कवि सखी को क्या सलाह देता है ?

**प्रश्न 10.** 'राष्ट्र के शृंगार' कविता में वतन के लाड़लों से क्या अपेक्षा की गई है ? 2

*अथवा*

केवट के किन वचनों को सुनकर प्रभु को हँसी आ गई ?

**प्रश्न 11.** भय किन-किन रूपों में हमारे सामने आता है ? 2

*अथवा*

गजाधर बाबू के कुल कितने बच्चे थे, सभी के नाम लिखिए।

**प्रश्न 12.** नन्हेमल और बाबूलाल किसके घर जाना चाहते थे ? 2

*अथवा*

लेखक का बचपन कहाँ गुम हो गया था ?

**प्रश्न 13.** किसने कृष्ण से अपना सारथ्य स्वीकार कराया ? 2

*अथवा*

बिना रंग की वस्तु के सम्बन्ध में लेखक ने क्या कहा है ?

**प्रश्न 14.** कानपुर में किन-किन साहित्यकारों से भगवती चरण वर्मा की मित्रता हुई ? 2

*अथवा*

लता के गायन की दो विशेषताएँ लिखिए।

**प्रश्न 15. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए—** 2

(i) मेरे स्टेशन पहुँचने पर रेल छूट चुकी थी। *(मिश्र वाक्य)*

(ii) वह भोजन करके विद्यालय जाता है। *(संयुक्त वाक्य)*

*अथवा*

**निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट कर वाक्यों में प्रयोग कीजिए—**

(i) खून का घूँट पीना,

(ii) चिकनी चुपड़ी बातें बनाना।

http://www.a2zsubjects.com

http://www.a2zSubjects.com http://www.a2zSubjects.com

http://www.a2zSubjects.com http://www.a2zSubjects.com

**प्रश्न 16.** भयानक रस का उदाहरण लिखिए। 2

*अथवा*

हिन्दी के दो खण्डकाव्य एवं उनके रचनाकारों के नाम लिखिए।

**प्रश्न 17.** लेखक ने देश सेवा कविता किन परिस्थितियों में लिखी उसका क्या परिणाम हुआ ? 3

*अथवा*

'आह मेरा गोपालक देश' महादेवी ने नि:श्वास छोड़ते हुए ऐसा क्यों कहा ?

**प्रश्न 18.** कवित्त छंद की परिभाषा व उदाहरण लिखिए। 3

*अथवा*

व्याजस्तुति अलंकार की परिभाषा व उदाहरण लिखिए।

**प्रश्न 19. भाव विस्तार कीजिए—** 3

*''रीतिकालीन कवियों की जिंदादिली तो रंगबाजी में ही दिखाई पड़ती है।''*

*अथवा*

राष्ट्र भाषा की तीन प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

**प्रश्न 20.** भारतेन्दुयुगीन काव्य की चार विशेषताएँ लिखिए। 4

*अथवा*

द्विवेदीयुगीन काव्य की चार विशेषताएँ लिखिए।

**प्रश्न 21.** शुक्ल युग के निबंधों की दो विशेषताएँ तथा इस युग के दो लेखकों एवं उनके निबंधों के नाम लिखिए। 4

*अथवा*

रेखाचित्र एवं संस्मरण में कोई चार अंतर लिखिए।

**प्रश्न 22.** *कबीरदास* ***अथवा*** *भवानीप्रसाद मिश्र* का काव्यगत परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर लिखिए— 4

(i) दो रचनाएँ, (ii) भावपक्ष और कलापक्ष, (iii) साहित्य में स्थान।

**प्रश्न 23.** *उदय शंकर भट्ट* ***अथवा*** *उषा प्रियंवदा* का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए-- 4

(i) दो रचनाएँ, (ii) भाषा-शैली, (iii) साहित्य में स्थान।

**प्रश्न 24. निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए—** 4

''यह संसार क्षणभंगुर है। इसमें दु:ख क्या और सुख क्या। जो जिससे बनाया है वह उसी में लय हो जाता है—इसमें शोक और उद्वेग की क्या बात है ? यह संसार जल का बुदबुदा है, फूटकर उसी रोज जल में ही मिल जायेगा। फूट जाने में ही बुदबुदे की सार्थकता है। जो यह नहीं समझते, वे दया के पात्र हैं। री मूर्खा लड़की तू समझ। सब ब्रह्माण्ड ब्रह्म का है और उसी में लीन हो जायेगा। इससे तू किसलिए व्यर्थ व्यथा सह रही है।''

*अथवा*

''एकाएक अपने सामने देखकर युग-युग का उसका वह रोषपूर्ण मान, उसका वह रूठना एक बारगी ही विलीन हो गए, बरसों से सोचे हुए अपने वे सारे उपालंभ भी वह भूल गई। अपनी उस मूक साधना और आत्मा के युग भर के इस विरह प्रणय को यों सफल होते देखकर वह सारी सुख-बुध खो बैठी। अपने जीवन सर्वस्व को पुन: अपने सम्मुख देखकर एक बारगी वह आत्म विभोर हो गई। दर्शन-सुख-भावना की उस बाढ़ में उसकी सारी वेदना डूबती सी जान पड़ी। अपने प्रियतम के चरणों में सिर रखकर वह रो पड़ी।''

http://www.a2zsubjects.com

http://www.a2zSubjects.com http://www.a2zSubjects.com

http://www.a2zSubjects.com http://www.a2zSubjects.com

**प्रश्न 25. निम्नलिखित पद्यांश की संदर्भ-प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए—** 4

*कल जो हमारी सभ्यता पर थे हँसे वे अज्ञान से,*
*वे आज लज्जित हो रहे हैं अधिक अनुसंधान से।*
*जो आज प्रेमी हैं हमारे भक्त कल होंगे वही,*
*जो आज व्यर्थ विरक्त हैं, अनुरक्त कल होंगे वहीं।*

*अथवा*

*मो देखत जसुमति तेरे ढोटा, अबहिं माटी खाई,*
*यह सुनिकै रिस करि उठि धाई, बांह पकरि लै आई।*
*इन कर सों भज गहि गाढ़े करि इक कर लीने सांटी,*
*मारति हौं तोहिं अबहिं कन्हैया, वेग न उगिलौ माटी।*

**प्रश्न 26. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए—**

सफलता प्राप्ति का मूल मंत्र है—अपने समय का सदुपयोग करना। सदुपयोग का अर्थ है—सही उपयोग। कार्य को समझ कर तुरन्त कार्य में लग जाना। जीवन में अनेक दबाव आते हैं, अनेक व्यस्तताएँ आती हैं। व्यस्तताओं से अधिक मन को आलस्य घेरता है। जो व्यक्ति व्यस्तताओं का बहाना बनाकर या आलस्य में घिरकर शुभ कार्यों को टाल देता है, उसकी सफलता भी टल जाती है। इसके विपरीत जो व्यक्ति सोच-समझकर योजनापूर्वक शुभ कार्यों की ओर निरन्तर कदम बढ़ाता चलता है, एक न एक दिन सफलता उसके चरण चूम लेती है। आज के काम को कल पर टालने की प्रवृत्ति सबसे घातक है। इस प्रवृत्ति के कारण मन में असंतोष बना रहता है, अनेक कामों का बोझ बना रहता है और काम को टालने की ऐसी आदत बन जाती है कि शुभ कार्य करने की घड़ी आती ही नहीं।

**प्रश्न—(i)** सफलता प्राप्ति का मूल मंत्र क्या है ? 1
**(ii)** मनुष्य की सफलता क्यों टल जाती है ? 1
**(iii)** उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ? 1
**(iv)** उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए ? 2

**प्रश्न 27.** सचिव, माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्य प्रदेश भोपाल को अंग्रेजी विषय की उत्तरपुस्तिका की पुनर्गणना हेतु आवेदन पत्र लिखिए। 5

*अथवा*

अपने बड़े भाई के विवाह समारोह में सम्मिलित होने के लिए मित्र को निमंत्रण पत्र लिखिए।

**प्रश्न 28. (अ) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए—** 7

(i) महँगाई की समस्या, (ii) स्वच्छ भारत अभियान, (iii) जल ही जीवन है, (iv) स्वावलंबन।

**(ब) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संक्षिप्त रूपरेखा लिखिए—** 3

(i) दूरदर्शन से लाभ-हानि, (ii) पराधीन सपनेहूँ सुख नाहीं, (iii) समाचार पत्र की उपयोगिता, (iv) अनुशासन का महत्त्व।

---

http://www.a2zsubjects.com

http://www.a2zSubjects.com http://www.a2zSubjects.com